चम्पी: तेल मालिश!

उपभोक्ताओं को आश्वस्त करने के लिए हमारे देश में कई मानक व नियम निर्धारित किए गए हैं जिन पर सरकारी अधिकारियों की नज़र हर समय रहती है। यह भी ज़रूरी है कि हम इन उत्पादों के परीक्षण के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त NABAL प्रयोगशालाओं का इस्तेमाल करें। ये प्रयोगशालाएं भारत सरकार से मान्यता प्राप्त करके चलाई जाती हैं। निर्माताओं ने अपने लिए कुछ मानक निर्धारित किए हैं जिससे वे परीक्षण के दौरान खरे उतर सकें। उपभोक्ताओं के सामने दर्शाया जाता है कि सब कुछ सही है। ज़्यादातर ब्रांड सभी प्रकार के परीक्षण में उत्तीर्ण हो जाते हैं लेकिन उत्पाद के बनने से लेकर बिकने तक की कहानी बिल्कुल भिन्न होती है। यह सब परीक्षण में तब तक ज्ञात नहीं होता है जब तक हम उसकी गहराई तक नहीं पहुंचते।

अब केश तेल की ही ले लीजिए। भारतीय परंपरा के अनुसार काले लम्बे बाल नारी की सुन्दरता का प्रतीक होते हैं। यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे चलती रहती है प्रत्येक माँ अपनी बेटी के बालों में नियमित मालिश करती है जिससे उसके बाल मजबूत हों । उत्तर भारत में मुख्यतः सरसों के तेल का प्रयोग करते हैं और दक्षिण भारत में नारियल तेल का प्रयोग किया जाता है। दोनों ही तेल पोषक तत्वों और औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। लेकिन बाज़ार में बिकने वाले केश तेल अब शुद्ध कहां रह गए हैं।

बालों की देखभाल करने वाले उत्पादों की बाज़ार में बाढ़ सी आ गई है। उपभोक्ताओं के पास आज बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं जो उनके लिए किसी भी काम के नही है। वे सिर्फ उन्हीं समस्याओं का समाधान करते हैं जो बाज़ार द्वारा उनके लिए पैदा की गई हैं फिर इन उत्पादों के इस्तेमाल से दूसरी परेशानियां शुरू हो जाती हैं और फिर ऐसे ही यह चक्र चलता रहता है। आजकल का समय इतना भागम–भाग से भरा हुआ होता है कि औरतों को अपने लिए समय ही नहीं मिलता है वे घर के कामकाज़, दफ्तर के कामों में इतनी मशगूल रहती हैं कि अवकाश के दिनों में भी उन्हें चैन नहीं मिलता है। ऐसे में वे अपनी देखभाल के लिए बाज़ार पर निर्भर होने लगती हैं और इसी के साथ शुरू होती हैं परेशानियां।

उपभोक्ताओं को आश्वासन, और समाधान की ज़रूरत होती है ये बाज़ार के पास थोक में होते हैं लेकिन उनका अंत कहाँ होगा यह कोई नहीं जानता और कोई परवाह भी नहीं करता। यदि आपको कोई परेशानी है तो आपको समाधान के लिए स्वयं ही मेहनत करनी होगी।

सभी मापदंडों को ध्यान रखते हुए परीक्षण किया गया लेकिन हमारे इस परीक्षण में ज्ञात हुआ कि इन उत्पादो में शुद्ध तेल मौजूद ही नहीं है। इन ब्रांडों में न तो नारियल तेल है और न ही सरसों का तेल मौजूद है सिर्फ खनिज़ तेल या फिर तरल पैराफिन। माना कि ये तेल हमें कोई नुकसान नहीं पंहुचाते पर, ये हमें कोई फायदा भी नहीं देते हैं क्योंकि ये पोषक तत्व और औषधिय तत्वों के नाम पर शून्य ही होते हैं। इन तेलों में पोषण के अलावा बाकी सब कुछ होता है जैसे प्रयोग करने की समयावधि, अच्छी पैकिंग और अच्छी खुशबू भी मौजूद होती है।

हमारी रिपोर्ट को पढ़कर आपको ज्ञात होगा कि किस तेल में कितना खनिज़ तेल है।

90% या फिर उससे भी ज़्यादा।

इसी के साथ आपको मालिश मुबारक हो!

तुलनात्मक परीक्षण

परीक्षित ब्रांडः

परीक्षण किये गए ब्रांड के नाम और श्रेणी निम्लिखित हैः–

ब्रांड	रैंक
डाबर आंवला	1
हेयर एंड केयर	2
केयो कार्पिन	3
पैराशूट जैसमिन	4
डाबर सरसों आवंला	5
हिमालया हर्बल्स	6
हिमानी नवरत्न	7
निहार शांति आवंला	8
क्लियर	9
बजाज आलमंड ड्रॉप्स	10
कैंथाराइडीन	11

केश तेल

केश तेल से सिर पर मालिश करने से एक सुखदायक और पुनः सशक्त करने के वाली ऊर्जा की अनुभूति होती है। भारत में तीन तरह के केश तेल बनाए व बेचे जाते हैं इनमें कुछ तो लघु उद्योग द्वारा और कुछ संगठित उद्योग द्वारा तैयार किये जाते हैं। टाइप 1 में वनस्पति तेल को बेस तेल के रूप में प्रयोग किया जाता है, टाइप 2 में खनिज़ तेल शामिल हैं और टाइप 3 में खनिज़ और वनस्पति तेल दोनों का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में हमारे देश में इस मौजूदा परीक्षण में तीनों प्रकार के तेलों का परीक्षण किया गया। लेकिन इस परीक्षण में पाया गया कि सभी परीक्षण किए गए ब्रांड, टाइप 3 जैसे ही थे।

मुख्य निष्कर्ष

- सभी ब्रांड के केश तेल में खनिज़ तेल मौजूद पाए गए परन्तु इनकी उपस्थिति की मात्रा अनसेपोनिफ़िएबल परीक्षण पर आधारित है।
- डाबर आवंला में (36.46) सबसे कम अनसेपोनिफ़िएबल मान पाया गया हिमानी नवरत्न तेल (43.16) और हेयर एंड केयर में (59.32), जबकि क्लियर में (90.9) सबसे ज़्यादा और हिमालया हर्बल में (84.70) और पैराशूट जैसमीन में (83.91) उससे कम रहा।
- डाबर आंवला, हेयर एंड केयर, हिमालया हर्बल, पैराशूट जैसमिन और शांति आवंला में फैटी एसिड पाए गए जो मायरिस्टोलिक, असंतृप्त वसा, MUFA, PUFA के नाम से जाने जाते हैं जो दर्शाता है कि उसमें वनस्पति तेल मौजूद होता है। ये उन ब्रांड से अच्छे हैं जिनमें फैटी एसिड मौजूद नहीं होते हैं।
- किसी भी ब्रांड में सूक्ष्मजीव और भारी धातु मौजूद नहीं थी।
- केयो कार्पिन ने संवेदी परीक्षण और लगाने के परीक्षण में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया।

पैकिंग

भारतीय मानक के अनुसार केश तेल को पर्यावरण के अनुकूल, उपयुक्त अच्छी तरह से बंद कंटेनर में पैक किया जाना चाहिए। पैक करने के लिए 1 किलोग्राम या फिर 1 लीटर के पैक का ही इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे कंटेनरों का उपयोग करना चाहिए जिससे उत्पाद पर कोई हानिकारक प्रभाव न पड़े ।

डाबर आंवला, डाबर सरसों आंवला, हिमालया हर्बल, केयो कार्पिन और कैंथाराइडीन में ऐसी पैकिंग की गई जिससे कि उसके साथ कोई छेड़डाड़ न की जा सके। इसलिए इसे पूरे अंक प्राप्त हुए। बजाज आलमंड ड्रॉप को कांच की बोतल में पैक किया जाता है।

मार्किंग

सभी ब्रांडों को भारतीय मानकों के अनुरूप ही चिन्हित किया गया। लेकिन बजाज आलमंड ड्रॉप, हिमालया हर्बल, हिमानी नवरत्न और कैंथाराइडीन में सटीक मात्रा नहीं दी गई थी जो कि राष्ट्रीय मानकों में निर्देशित किए जाते हैं किसी भी ब्रांड में मानक अंकन नहीं किए गए हैं।

भौतिक अवलोकन

सभी ब्रांड भौतिक अवलोकन परीक्षण में सफल रहे और सभी को पूरे अंक प्राप्त हुए।

शुद्ध मात्रा

सभी ब्रांडों में बताई गई मात्रा के अनुरूप ही तेल की मात्रा पाई गई।

अम्लीय मान

पैक किए गए उत्पादों का अम्लीय मान उनकी प्रयोग करने की समयावधि से संबंधित होता है। यदि अम्लीय मान बताई गई मात्रा के अनुरूप नहीं होता तो उत्पाद के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है और उस उत्पाद की प्रयोग करने की समयावधि घट जाती है। भारतीय मानकों के मुताबिक यह 1.0 से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।

सभी ब्रांड बताई गई अधिकतम सीमा के अन्दर पाए गए। बजाज आलमंड ड्रॉप में (0.10) सबसे कम अम्लीय मान पाया गया जबकि शांति आंवला में (0.30) सबसे ज़्यादा अम्लीय मान पाया गया।

परऑक्साइड मान

यह एक बहुत ही ज़रूरी मानदंड होता है जिसकी मदद से किसी भी उत्पाद के भंडारण के समय खराब होने के बारे में पता चलता है। भारतीय मानकों के मुताबिक ये 10.0 मिली जो कि 1000 ग्राम तेल के बराबर होता है होना चाहिए।

कोई भी ब्रांड बताई गई सीमा से ज़्यादा नहीं पाया गया।

चिपचिपापन

द्रव की चिपचिपाहट से हम पता लगा सकते हैं कि तनाव के समय वह टूट जाता है या फिर खिंच जाता है। यह आमतौर पर मोटाई या फिर बहने में अवरोध के रूप में देखा जाता है। इसकी केश तेल में ज़्यादा होने की उम्मीद होती है।

हिमानी नवरत्न (46.91) सभी परीक्षण किए गए ब्रांडों में सबसे ज़्यादा चिपचिपा पाया गया वहीं क्लियर (23.43) के साथ कम चिपचिपा पाया गया।

विशिष्ट गुरुत्व

विशिष्ट गुरुत्व वस्तु के घनत्व और पानी के बीच के घनत्व का अनुपात होता है। जो वस्तु पानी से हल्की होती है (विशिष्ट गुरुत्व 1 से कम) वह तैरती रहती हैं। लेकिन केश तेल के मामले में यह कम ही अपेक्षित होती है। क्लियर (0.82) में सबसे कम विशिष्ट गुरुत्व पाया गया वहीं हिमानी नवरत्न (0.88) में सबसे ज़्यादा पाई गई।

अनसेपोनिफ़ाइएबल पदार्थ

अनसेपोनिफ़ाइएबल पदार्थ वे वस्तुएं होती हैं जो बहुत ही जल्दी फैटी एसिड और सुखाने वाले तेलों में घुल जाती हैं, जोकि कॉस्टिक उपचार के बाद भी सेपोनिफाइड नहीं होते हैं लेकिन साधारण वसा में घुल जाते हैं। इनमें कई प्रकार के स्निग्ध एल्कोहल, स्टीरोल, पिगमेंट और हाइड्रोकार्बन शामिल हैं। उम्मीद की जाती है कि यह बालों के तेलों में कम से कम हो।

अनसेपोनिफ़ाइएबल पदार्थ प्रत्यक्ष रूप में तेल में खनिज़ तेल (तरल पैराफिन और LLP) की मौजूदगी को दर्शाते हैं, भारतीय मानकों में इनकी अधिकतम सीमा नहीं बताई गई है। डाबर आंवला में (36.46) सबसे कम अनसेपोनिफ़ाइएबल पदार्थ पाए गए वहीं हिमानी नवरत्न (43.16) और हेयर एंड केयर (59.32) दूसरे व तीसरे पायदान पर रहे जबकि क्लियर में (90.9) सबसे ज़्यादा और हिमालया हर्बल में (84.70) और पैराशूट जैसमिन (83.91) भी क्लियर के साथ ही खड़े पाए गए।

फैटी एसिड रूपरेखा

हमने सभी ब्रांड में फैटी एसिड की रूपरेखा को परखने के लिए परीक्षण किया जिससे हमें पता चल सके कि सभी तेलों में वनस्पति तेल को आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा

भारत में सिर की मालिश का जन्म

हज़ारों साल पहले इसका जन्म पूर्व में हुआ था। भारत में सिर की मालिश मूल रूप से महिलाओं में प्रचलित थी क्योंकि बाल उनकी साज–संवार का हिस्सा थे और बालों को मजबूती और चमक प्रदान करने के लिए वे मालिश का सहारा लेती थीं। इस तकनीक के तहत सिर में मौजूद कुछ उत्तेजक दबावों पर दबाने से बालों में चमक व मज़बूती बढ़ती है। यह तकनीक कई प्रकार से हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन गयी है क्योंकि इसे बच्चे से लेकर बूढ़े तक पसंद करते हैं। यह एक परंपरा बन चुकी है जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को मिलती है।

यह ज़्यादातर अच्छे तेलों के साथ ही की जाती है जिससे अधिक से अधिक लाभ मिल सके। मालिश हमें तनाव व थकावट को दूर करने में काफी मददगार साबित होती है।

तुलनात्मक परीक्षण

सबसे अधिक उपयोग में आने वाले तेलः

1. **बादाम का तेलः** इसके लाभकारी गुणों से हमें दर्द और रूखेपन को दूर करने में मदद मिलती है जिससे हमारे बाल मज़बूत होते हैं।
2. **नारियल का तेलः** यह त्वचा को नमी प्रदान करने में भी काफी उपयोगी होता है और इसके इस्तेमाल से बाल भी मजबूत होते हैं। यह हमारे शरीर का संतुलन बनाने में भी मदद करता है। यह दाग को घटाने में भी काफी मददगार साबित हुआ है।
3. **सरसों का तेलः** बादाम के तेल की तरह ही इसमें भी दर्द और रूखेपन को दूर करने के गुण होते हैं। इसकी मालिश से सूजन में भी कमी आती है, यह खून को साफ रखने में भी काफी उपयोगी होता है क्योंकि इसकी मालिश बंद रोम छिद्रों को खोलने में सहायक है।
4. **जैतून का तेलः** इसमें भी सरसों के तेल के ही गुण होते हैं लेकिन इसमें सरसों के तेल की तरह तीखी गंध नहीं होती है।
5. **तिल का तेलः** इसमें भी दर्द और रूखेपन को दूर रखने के गुण होते हैं। इसके इस्तेमाल से बालों का विकास होता है साथ ही यह बा. लों को काला व चमक भी प्रदान करता है।

http://www.mystic-mouse.co.uk

रहा है या नहीं। डाबर आंवला, हेयर एंड केयर और हिमालया हर्बल की संरचना में फैटी एसिड के अंश पाए। बाकी के ब्रांड में फैटी एसिड नहीं पाए गए। जिससे यह पता चलता है कि उनमें खनिज तेल मौजूद हैं।

सूक्ष्मजीव और भारी धातु परीक्षण

भारतीय मानकों के अनुसार केश तेल में सूक्ष्मजीवों की संख्या 1000 प्रति ग्राम से ज़्यादा नहीं होना चाहिए।

भारतीय मानकों के अनुरूप केश तेल में भारी धातु जैसे लैड, आर्सेनिक 10 या फिर 1 PPM से ज़्यादा नहीं होने चाहिए। सभी ब्रांड सूक्ष्म जीवों से मुक्त पाए गए वहीं भारी धातु भी बताए गए मापदंड के अंदर पाए गए, जिससे सभी ब्रांडों को इस परीक्षण में 6 अंक प्राप्त हुए।

संवेदी परीक्षण

हमने इस परीक्षण में केश तेल के भौतिक गुणों की जांच की जैसे रंग, रूप, खुशबू और चिपचिपाहट और लगाने के बाद के प्रभाव। जैसे बालों में तेल लगाने के बाद का अनुभव, कंघी करने में आसानी और तेल की गुणवत्ता आदि।

केयो कार्पिन का रंग, बनावट, कंघी करने में आसानी और खुशबू आदि मापदंडों पर खरा उतरा और इस परीक्षण में सभी ब्रांड से अच्छा प्रदर्शन किया। जबकि पैराशूट जैसमिन और हिमानी नवरत्न ने चिपचिपाहट में डाबर सरसों आंवला बाकी ब्रांड की अपेक्षा बेहतर पाया गया। स्पर्श के मामले में हिमानी नवरत्न ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निष्कर्ष एवं सिफारिश

'कंस्यूमर वॉयस' ने केश तेल की श्रेणी के लिए खुदरा बाज़ार में मिलने वाले प्रमुख तेलों का तुलनात्मक परीक्षण किया। इस परीक्षण में हमने तेलों पर मिलने वाले लेबलों की जांच की। बड़ी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले दावे जैसे आंवला, बादाम, सरसों और जड़ी बूटी आदि केश तेल में मिलना। लेकिन अचम्भे वाली बात यह है कि डाबर आंवला और हिमानी नवरत्न को छोड़ सभी में हल्की तरल पैराफिन का इस्तेमाल किया गया है या फिर ये कहें कि सभी तेलों में खनिज़ तेलों को आधार के रूप में 50% का ज़्यादा इस्तेमाल किया गया है। ज़्यादातर तेलों (9) में 91% खनिज तेल का इस्तेमाल किया गया है। BIS ने सिर्फ सौंदर्य उत्पादों में LLP को एक घटक के रूप में इस्तेमाल करने की आज्ञा दी है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसके इस्तेमाल का अधिकतम पारित मान नहीं बताया है। दूसरी तरफ डाबर आंवला और हिमानी नवरत्न ने वनस्पति तेल को आधार के रूप में इस्तेमाल किया है लेकिन उसका प्रकार नहीं बताया गया है। यहां दो आंवला युक्त बालों के तेलों का परीक्षण किया गया लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसमें 2% से भी कम आंवला का इस्तेमाल किया गया है, ऐसा ही कुछ बजाज आलमंड ड्रॉप के साथ भी है, इसी के साथ यह ब्रांड उपभोक्ताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बादाम के तेल में तो कुछ बूंदे ही बादाम के तेल की मिलती हैं जबकि उसमें 76% खनिज तेल ही मौजूद है और 20% से ज़्यादा वनस्पति तेल का इस्तेमाल भी किया जाता है। यही सब सरसों आंवला के साथ भी है। इसमें भी आधार तेल के रूप में खनिज़ तेल (65.2%) और सरसों के तेल में आंवला 40% का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये सब आज भी सरसों और आंवला का दावा कर ग्राहकों को बेबकूफ बना रहे हैं।

प्रारंभिक तौर पर केश तेल में अरंडी का तेल या शुद्ध नारियल तेल को आधार के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। दोनों ही बड़े चिपचिपे होते थे अरंडी के तेल वाला तो सबसे ज़्यादा, इनकी सुगंध बहुत ही तेज होती थी। लोग आज भी पारंपरिक सरसों के तेल और नारियल तेलों को इस्तेमाल कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह उनके बालों को मजबूती और चमक प्रदान करता है। बाद में एक उद्योग ही बालों की सुरक्षा को लेकर खड़ा हो गया इसके साथ LLP तेलों को कम विषाक्त और बालों के तेलों की चिपचिपाहट को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा है। भारतीय मानक IS: 7123 के अनुसार LLP में कम चिपचिपाहट होने की वजह से इन्हें उत्पादों में इस्तेमाल की आज्ञा मिली। पर इन्हें गुणवत्ता के मामले में IS: 7299 को पूरा करना पड़ेगा। वनस्पति तेलों और खनिज तेलों के मिश्रण में अधिकतम सीमा का उल्लेख नहीं किया गया है जबकि खनिज तेलों का इस्तेमाल 94.4% तक किया जाता है जैसे कि क्लियर रूसी विरोधी तेल में इस्तेमाल होते हैं।

सभी ब्रांडों में कोई भी विषाक्त धातु नहीं पाई गई। इनका परीक्षण पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के मापदंडों के अनुसार किया गया जिससे यह इस्तेमाल करने में सुरक्षित हों। किसी भी ब्रांड में रोगजनक बैक्टीरिया नहीं पाए गए। इसलिए ये ब्रांड BIS के मानकों पर खरे उतरे हैं।

'कंस्यूमर वॉयस' ने खनिज तेलों की उपस्थिति के आधार पर वर्ग निर्धारित किए हैं।

श्रेणी	मिनरल ऑयल का प्रतिशत	ब्रांड
I	55%	डाबर आंवला, हिमानी नवरत्न, केयो कार्पिन
II	75%	डाबर सरसों आंवला, हेयर एंड केयर, शांति आंवला
III	95%	बजाज आलमंड ड्रॉप्स, क्लियर, हिमालया हर्बल्स, पैराशूट जैसमिन, कैंथाराइडीन

खनिज तेलों को 'हल्के तरल पैराफिन' (LLP) कहते हैं।

* परिणामस्वरूप अनसेपोनिफ़ाइएबल पदार्थ खनिज तेलों के रूप में संदर्भित किये गये है। खनिज तेलों की संरचना के साथ–साथ वनस्पति तेलों के IS: 7123 के आधार पर ही परिणाम घोषित किए गए हैं।

केश तेल लगाने की युक्तियां

बालों में कुछ अच्छी तकनीक का उपयोग करके तेल लगाना चाहिए जिससे कि उसका असर आपके बालों पर भी दिखाई दे। यदि आप अपने बालों को घना व लम्बा बनाना चाहते हैं तो आप तेल लगाने के इन रहस्यों को जान सकती हैं।

- तेल को थोड़ा गुनगुनाकर अपने बालों में लगाएं
- बालों में तेल लगाने से पहले उन्हें कई भागों में बांट लें जिससे अच्छी तरह से उनमें तेल लग सके
- ज़्यादा तेल का इस्तेमाल न करें। तेल थोड़ा लें और फिर मालिश करें। मालिश करना ज़्यादा ज़रूरी है न कि ज़्यादा तेल लगाना।
- तेल लगाने के लिए आप अंगुलियों की पोरों पर लेकर सिर की अच्छी तरह से मालिश करें।
- अंगुलियों में तेल लेकर 10 से 15 मिनट तक मालिश करें।
- तेल लगाने के तुरंत बाद बालों को न धोएं। यदि आप ज़्यादा देर तक तेल बालों में नहीं लगाना चाहते तो रात में तेल लगाएं और सुबह उठकर बालों को अच्छे से धो लें।
- आप सप्ताह में एक बार तेल ज़रूर लगाएं। यदि आपके बाल तैलीय हैं तो सप्ताह में दो बार मालिश ज़रूर करें।
- तेल को बालों की जड़ों में लगाएं जिससे कि आपका रक्त संचार बढ़िया हो सके और आपके बाल मज़बूत व चमकदार बन सकें।
- सरसों के तेल में नीम की निबोरी को पकाकर उसका तेल सिर में लगायें जिससे त्वचा का संक्रमण व जुएं इत्यादि समाप्त हो जाती हैं।

http://www.indiaparenting.com

तुलनात्मक परीक्षण

हेयर ऑयल की बोतलों के लेबल पर दिए गए संघटकों का विवरण

कोड	ब्रांड	स्पेसिफ़िकक्लेम	मिनरल ऑयल एंड वेज़ीटेबल ऑयल %		लेबल में क्या है अनुपस्थित जानकारी	हमारा प्रयोजन	
			क्लेम %	रिज़ल्ट* वैल्यू %			
क	बजाज आलमंड्स ड्रॉप्स	आलमंड ड्रॉप्स नॉन–स्टिकी विद विटामिन–ई	उल्लेख नहीं	**76.25**	सभी तेलों की संघटक मात्रा : में	आलमंड्स ड्रॉप्स में कुछ समावेश < 2%	
ख	क्लियर	एंटी डैंड्रफ शैंपू प्रभावी ढंग से रूसी हटाता है	LLP ऑयल = 94.4 अन्य तेल ISO प्रोपाइल माइरिस्टेट	**90.9**	लेबल पर सभी पर्याप्त जानकारी उपलब्ध	LLP ऑयल का समावेश ज़्यादा मात्रा में (94%) है	
ग	डाबर आंवला	आंवला हेयर ऑयल	आंवला तेल में वेजीटेबल ऑयल का समावेश = 58 मिनरल ऑयल = 40	माइरिस्टोलिकएसिड 41.12 मिनरल ऑयल = 36.42	आंवला तेल की मात्रा का उल्लेख नहीं	आंवला तेल < 2%	
घ	डाबर सरसों आंवला	सरसों आंवला मिक्स ऑयल	मिनरल ऑयल = 58. आंवला तेल में सरसों के तेल का समावेश = 40	65.2	आंवला तेल कितने : है इसका उल्लेख नहीं	आंवला तेल का उल्लेख करें	
ङ	हेयर एंड केयर	50% से कम चिपचिपा	मिनरल ऑयल 63% वेज ऑयल 26	59.32 49.66	नीम, तुलसी के तत्व	आयुर्वेदिक तत्वों की संख्या कितनी?	
च	हिमालया हर्बल्स	रिवाइटलाईज़िंग हेयर ऑयल 100% आयुर्वेदिक क्रियाशीलता	उल्लेख नहीं	मिनरल = 84.71 लेनोलेइक एसिड = 24.81	लेबल में आयुर्वेदिक तत्व दिये गये मिनरल ऑयल की उपस्थिति	इसमें मिनरल अधिक मात्रा में है फिर ये हर्बल कैसे हो सकता है?	
छ	हिमानी नवरत्न तेल आयुर्वेदिक	विभिन्न खाद्य तेलों का समावेश	100 आयुर्वेदिक ठंडा तेल	43.16	बेस ऑयल की मात्रा नहीं लिखी	क्या यह 100% आयुर्वेदिक है?	
ज	केयो कार्पिन	विटामिन ई ऑलिव ऑयल	मिनरल 65 अराचिज़ ऑयल 32.6%	72.2	उल्लेख नहीं	उल्लेख नहीं	
झ	पैराशूट जैसमिन	चिपचिपाहट रहित नारियल हेयर ऑयल	मिनरल ऑयल 79.7 नारियल तेल 20	TR = 83.9	यदि मिनरल ऑयल की मात्रा ज़्यादा है तो नारियल तेल का दावा कैसे कर सकते हैं	जैसमिन की मात्रा नहीं लिखी	
ञ	निहार शांति आंवला	आंवला और बादाम का तेल	मिनरल = 64 वेजीटेबल ऑयल = 35	74.6	आंवला तेल की मात्रा नहीं लिखी	आंवला और आलमंड तेल की मात्रा नहीं लिखी	
ट	कैंथाराइडीन तेल		उल्लेख नहीं	81.5	तेल की मात्रा नहीं लिखी	कैंथाराइडीन तेल की मात्रा नहीं लिखी	

हेयर ऑयल के प्रयोगशाला परीक्षण का तुलनात्मक निष्पादन

मापदंड / ब्रांड	भारांक %	डाबर आंवला	हेयर एंड केयर	केयो कार्पिन	पैराशूट जैसमिन	डाबर सरसों आंवला	हिमालया हर्बल्स	हिमानी नवरत्न	निहारशांति आंवला	क्लियर	बजाज आलमंडड्रॉप्स	कैंथाराइडीन
पैक साइज़, मि.ली.		300	200	500	200	200	200	200	200	150	200	400
मूल्य, (रुपये में)		95	70	140	64	42	125	85	46	65	85	135
यूनिट मूल्य, प्रति 100 मि.ली.ए (रुपये में)		31.66	35	28	32	21	62.5	42.5	23	43.33	42.5	33.75
फ़िज़िको कैमिकल टैस्ट 48%												
अनसेपोनिफ़ाइएबल ई मैटर	14	13.88	12.16	11.19	10.31	11.72	10.25	13.38	11.01	9.78	10.88	10.49
फैटी एसिड प्रोफ़ाइल	4	4	4	1	4	1	4	1	4	1	1	1
पेरॉक्साइड वैल्यू	8	6.95	7.43	7.99	7.19	7.27	6.31	6.79	5.2	7.83	6.31	7.83
एसिड वैल्यू	8	7.68	7.99	7.66	7.68	7.68	7.99	7.06	7.37	7.68	8	7.67
विस्कोसिटि	7	6.88	4.51	5.46	4.49	6.31	5.99	6.99	5.26	4.59	5.58	4.94
स्पेसिफ़िक ग्रेविटि	4	3.8	3.2	3.2	3.6	3.2	3.8	2.8	3.2	4	3.4	3.6
क्वांटिटी	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
हैवी मेटल्स **(Pb & As) 6%**	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
माइक्रोबायोलोजिकल टैस्ट **6%** (टोटल प्लेट काउंट, यीस्ट एंड मोल्ड काउंट)	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
संवेदी परीक्षण **25%** (कलर अपियरेंस, ओडॉरएफ्लेवर एंड बॉडी)	25	18.42	18.7	19.82	19.32	17.75	18.4	19.25	18.8	17.62	18.4	16.62
जनरल पैरामीटर्स **15%**												
पैकिंग	3	3	2.25	3	2.25	3	3	2.25	2.25	2.25	2.5	3
मार्किंग	7	7	7	7	7	7	5	5	7	7	5	5
विजुअल ऑब्रिवेशन	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
कुल स्कोर	**100**	**91.61**	**87.24**	**86.32**	**85.84**	**84.93**	**84.74**	**84.52**	**84.09**	**81.75**	**81.07**	**80.15**

रेटिंग: >90 – सर्वश्रेष्ठ *****, 71-90- अति उत्तम ****, 51-70- उत्तम ***, 31-50- औसत **, 30 तक– खराब *